तुम्हारा क्या कहना है श्याम | By Simran Singh Khinchi

जुबां जुबां पे चर्चा इनका हैं इतने मक़बूल
होती है श्री श्याम के दर पे सबकी दुआ कबूल
तुम्हारा क्या कहना है श्याम
तुम्हे ना भूलू सुबह शाम

इनकी बात निराली इनका जग में ऊँचा नाम
जो हर शय को सोना कर दे वो पारस है श्याम
इनका नाम लिए दु:ख भागे इनमे वो है शक्ति
भंडारे भर जाये जो भी करे श्याम की भक्ति
काँटा भी इनके प्रसाद से हो जाता है फूल
होती है श्री श्याम के दर पे सबकी दुआ कबूल
तुम्हारा क्या कहना है श्याम
तुम्हे ना भूलू सुबह शाम

जिसपे महर करे उसकी तक़दीर संवर जाए
जो भी खाली जाए उसकी झोली भर जाए
बाबा की चौखट पे ऐसा नूर बरसता है
मेरा शीश का दानी सबके दिल में बस्ता है
कर देते ये माफ़ जो हमसे हो जाती है भूल
होती है श्री श्याम के दर पे सबकी दुआ कबूल
तुम्हारा क्या कहना है श्याम
तुम्हे ना भूलू सुबह शाम

मैंने जैसा सुना था उससे ज्यादा ही पाया है
सचमुच श्याम तुम्हारे चरणों में आराम आया है
मैं तेरी हो चुकी सांवरे रोज़ यहाँ आउंगी
जीवन भर मैं सिमरन तेरी महिमा गाउंगी
मुझे बना लो बाबा अपने चरणों की तुम धुल
होती है श्री श्याम के दर पे सबकी दुआ कबूल
तुम्हारा क्या कहना है श्याम
तुम्हे ना भूलू सुबह शाम

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a4%e0%a5%81%e0%a4%ae%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a4%b9%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%b9%e0%a5%88-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af/